मेसर्स एन.एम.डी.सी.लि., ग्राम–किरन्दुल, जिला–दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) निक्षेप क्रमांक 14/11 सी की क्षमता विस्तार के तहत् आयरन ओर माईन–12.0 मिलियन टन/वर्ष से 20.0 मिलियन टन/वर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई।

दिनांक 06.08.2017 का कार्यवाही विवरण।

मेसर्स एन.एम.डी.सी.लि., ग्राम–किरन्दुल, जिला–दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) निक्षेप क्रमांक 14/11 सी की क्षमता विस्तार के तहत् आयरन ओर माईन–12.0 मिलियन टन/वर्ष से 20.0 मिलियन टन/वर्ष के संबंध में भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है। भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 01.12.2009 के प्रावधान के अनुसार लोकसुनवाई दिनांक 06.08.2017 (06 अगस्त 2017) दिन रविवार पूर्वाह्न 11.30 बजे, स्थान– हायर सेकण्डरी स्कूल, विद्यानगर, किरन्दुल जिला–दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में कराई गई। राजपत्र में प्रकाशित प्रावधान के अनुसार सर्वसंबंधितों से मेसर्स एन.एम.डी.सी.लि., ग्राम–किरन्दुल, जिला–दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) निक्षेप क्रमांक 14/11 सी की क्षमता विस्तार के तहत् आयरन ओर माईन–12.0 मिलियन टन/वर्ष से 20.0 मिलियन टन/वर्ष के संबंध में सुझाव अथवा विचार 30 दिवस के अंदर प्रस्तुत किये जाने के लिए सूचना का प्रकाशन राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र हिन्दुस्तान टाईम्स एवं स्थानीय समाचार पत्र दैनिक भास्कर समाचार/नई दुनिया समाचार पत्र/नवभारत समाचार पत्र/हरिभूमि समाचार पत्र/पत्रिका समाचार पत्र के अंक में दिनांक 05.07.2017 को जनसाधारण की जानकारी के प्रयोजनार्थ प्रकाशित कराया गया।

निर्धारित समयावधि में क्षेत्रीय कार्यालय, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मडल, जगदलपुर के समक्ष कोई आपत्ति/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है। लोक सुनवाई के दौरान 12 हस्ताक्षरयुक्त लिखित आवेदन प्राप्त हुआ।

.....2

लोकसुनवाई प्रारंभ करने के पूर्व उपस्थित जन समुदाय को लोकसुनवाई प्रक्रिया की जानकारी दी गई। तत्पश्चात लोकसुनवाई के प्रथम चरण में प्रबंधन के **श्री ए.के.प्रजापति (संयुक्त महाप्रबंधक, उत्पादन)** द्वारा परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी उपस्थित जन समुदाय को दी गई। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में कम्पनी द्वारा क्या विकास किया जायेगा एवं परियोजना के तहत् मेसर्स एन.एम.डी.सी. लिमिटेड, बैलाडीला लौह अयस्क खान, किरन्दुल, जिला–दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) द्वारा प्रस्तावित उद्योग के क्षमता विस्तार से उत्पन्न होने वाले जल/वायु एवं ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम हेतु प्रस्तावित उपायों की जानकारी उपस्थित जन समुदाय को दी गई।

<u>जन सुनवाई के दौरान उपस्थित जनसामान्य द्वारा प्रमुख रूप से निम्नलिखित मुद्दे उठाये गये</u> :–

1. **श्री के. अनिल, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष, किरन्दुल** – मैं आपसे एक प्रश्न पूछ रहा हूँ कि किरन्दुल की जनसंख्या 19000 के आसपास है। नगर पालिका के 19 वार्ड में आपके द्वारा क्या विकास कार्य किया जा रहा है? एक पैसा खर्च नहीं किया जा रहा है। आप बोल रहे हैं कि आपने मेडिकल की व्यवस्था की है। मेडिकल सुविधा किसको दे रहें है? अपने 19000 वासियों को सुविधा नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा एक ही पानी का स्त्रोत है। पानी का पूरा पाईप लाईन चोक हो गया है। 5 दिनों तक पानी का व्यवस्था नहीं हो पाया था। ये क्यों हो रहा है। 19000 आबादी यहां पर आकर बसे हैं। मै आपसे विनती करता हूँ कि क्षेत्र का विकास करें। अपने आदिवासियों भाईयों को मेडिकल व्यवस्था फ्री में करें। एक मात्र प्रोजेक्ट हास्पिटल मौजूद है वहां भी सुविधाओं का अभाव है। तथा सरकार द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड सुविधा प्रोजेक्ट अस्पताल में चालू करने की पूरजोर मांग करते हैं। यहां के लोगों को जगदलपुर जाना पड़ता है। ये कितनी शर्म की बात है। कि एन.एम.डी.सी. एक स्थानीय बच्चे की शिक्षा की व्यवस्था नहीं कर पा रहा है।

.....3

2. **श्री तपन कुमार दास, उप सरपंच, कोड़ेनार** – सबसे पहले मैं एमएमडीसी को धन्यवाद देना चाहूंगा। कि पहली बार किरंदुल में लोक सुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है। हमारे पंचायत क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कमी है। हमारे कोड़ेनार ग्राम पंचायत में जिन किसानों के खेतों में लाल पानी की समस्या है, उनकों अभी तक क्षतिपूर्ति राशि प्रदान नहीं किया गया है। आपके द्वारा आदिवासियों के मेडिकल के लिए फ्री मेडिकल व्यवस्था है, लेकिन हमारे क्षेत्र में कुछ अन्य समाज के गरीबों से इलाज के नाम पर पहले 3000/– लिया जाता है। हमारे क्षेत्र में गरीब लोग निवास करते हैं, कृप्या आप सभी वर्ग को छूट प्रदान करने का कष्ट करें या सरकार द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड सुविधा भी चालू करवा दिया जाए। आप गरीब लोगों से 10/– का पर्ची लेते है। क्या एन.एम.डी.सी. लोगों को फ्री सुविधा भी प्रदान नहीं कर सकता है। आप कहते हैं कि सी.एस.आर. मद से हास्पिटल सुविधा की जाती है। ताकि हमारे क्षेत्र के लोगों को इलाज के अभाव में किसी प्रकार का कष्ट न हो। अभी रेल्वे दोहरीकरण प्रोजेक्ट के लिए कुछ लोगों को अपना आवास त्यागने कहा जा रहा है। कृपया उन परिवार को आवास प्रदान किया जाए। पुर्नवास के तहत् व्यवस्था किया जाए।
3. **श्री बबलू सिद्दकी, जिलाध्यक्ष, जनता कांग्रेस, किरंदुल** – हम चाहते हैं हमारी पार्टी चाहती है, कि किरंदुल, बचेली क्षेत्र का विकास हो। यहां के मूल निवासियों का विकास हो एन.एम.डी.सी. को विकास के क्षेत्र में कार्य करना चाहिए किसी गरीब आदमी के सीने पे पैर रखकर विकास ना हो। यहां पर आज मैं एन.एम.डी.सी. का विरोध करने खड़ा हूँ। एन.एम.डी.सी. की जो नीतियां है। वो बैजाडिला के लिए हित कर नहीं है। हमारे पार्टी के द्वारा क्षेत्रवासियों के साथ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया गया था। हमारे द्वारा क्षेत्रवासियों के विकास के लिए मांग किया गया था। आपके द्वारा केवल कुछ प्रभावित गांव का ही विकास के लिए देखा जाता है। किन्तु बहुत से प्रभावित गांव ऐसे है। जहाँ और भी किसान प्रभावित है। आपके गोद लिए गांव में सड़क की व्यवस्था नहीं है। बीमार व्यक्ति को खाट में लेकर अस्पताल लाया जाता है। आपके वेस्ट डेम का वेस्ट गांव वालों के खेतों में पहुंचता है। ये है एन.एम.डी.सी. के आसपास के प्रभावित गांवों को हाल, हम शिक्षा, विकास, जल, सड़क की बात करते हैं। ये सुविधाएं

.....4

क्या आप प्रदान नहीं कर सकते है? हिरोली गांव के लिए आज तक सड़क नहीं है जो बनी है वो भी जगह—जगह से उखड़ी हुई है। आप क्या चाहते है कि यहां के लोग आपके जनसुनवाई में आपका खाना खाकर आपका समर्थन करें। आपको यहां के लोगों के साथ मिलकर उनका विश्वास पाना पड़ेगा। तभी वो आपके साथ सहमत होंगे। हमारे लिए बिजली, पानी सड़क हमारी मूलभूत सुविधांए चाहिए। एन.एम.डी. सी. की जिद है कि एन.एम.डी.सी. हास्पिटल में स्मार्ट कार्ड वेडिंग मशीन नहीं लगा रहे हैं। क्या आप करोड़ों कमा कर थोड़ा भी इस क्षेत्र के लिए खर्च नहीं कर सकते है। एन.एम.डी.सी. आदिवासियों का फ्री इलाज करती है। धन्यवादइसके लिए। महोदय बहुत कम लोग ही है। जो स्मार्ट कार्ड धारी हैं। कोई बड़ी बात नहीं है। इन्हें भी चिकित्सा सुविधा प्रदान करने में। हम लोग एक अन्य मांग रहती है कि एन.एम. डी.सी. से सबसे ज्यादा भर्ती/नियुक्ति में विवाद होती है। भर्ती होती है। इसमें स्थानीय लोगों की भर्ती का अनुपात बहुत कम है। 4 स्थानीय लोगों की भर्ती होती है तो दूसरे तरफ 20 बाहरी लोगों की भर्ती की जाती है। क्षेत्र में बेरोजगारी की समस्या है। मै पूछना चाहता हूँ कि एन.एम.डी.सी. भर्ती प्रक्रिया के लिए बड़े बड़े इन्स्टीट्यूट में जाती है। क्या आपके द्वारा चलाए जा रहे इन्स्टीट्यूट पे भरोसा नहीं है। आप अपने द्वारा चलाए जा रहे हैं आई.टी.आई से भर्ती क्यों नहीं करते हैं। मुझे तो इस प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की बू आती है। मै एक ज्वलंत मुद्दा आपके सामने रखता हूँ, जो लोग अपने इलाज के लिए बाहर से आते हैं। वो रातभर बस स्टैण्ड पर बैठकर इंतजार करते है। क्या एन.एम.डी.सी. इन लोगों के लिए व्यवस्था के लिए बस स्टैण्ड पर एक विश्रामगृह नहीं बना सकता है। आप क्षेत्र के लोगों को इतना अनदेखी करते हैं, इसके बाद आप चाहते है कि क्षेत्र के लोग आपके लोकसुनवाई में सहयोग प्रदान करें। एक अन्य महत्वपूर्ण मांग है जिसके बारे में चर्चा करते हैं लाल पानी की। लालपानी की समस्या से प्रभावित किसानों को मुआवजा प्रदान किया जाता है किन्तु आपके द्वारा आज तक कुछ ही गांवों के लोगों को उचित मुआवजा दिया जाता है। कुछ गांव ऐसे भी है जिनका सर्वे तक नहीं हुआ है। उन गांवों का भी सर्वे हो जो लाल पानी की समस्या से प्रभावित है। जो पिछले 40 वर्षो

से लालपानी की समस्या से प्रभावित है। दुगेली, माडुम, किरेपाल, व्याग्ला, रंगोली गांव आदि यहां के मूल निवासियों का विकास करेंगे तो हम आपका जरूर साथ देंगे।

4. **श्री विक्रम मलिक, विधायक प्रतिनिधि, दंतेवाड़ा** — हमारे क्षेत्र के विधायक श्रीमती देवती कर्मा जी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण मै उनके स्थान पर उनका संदेश पहुँचाने आया हूँ। जो इस क्षेत्र में एक पेड़ कटे उनके स्थान पर हजार पेड लगाने की बात कही गई थी। यहां के आयरन युक्त पानी की समस्या हैं। पानी का उचित प्रबंध किया जाए। इस क्षेत्र का विकास हुआ है ये सोचने वाली बात है कि सी.एस.आर. से जो पैसा आता है उसका पूर्ण उपयोग इस क्षेत्र में नहीं हो पाता है। आज भी गांवों में ना सड़क है, बिजली, पानी की व्यवस्था भी नहीं है। एन.एम.डी.सी. में जो प्रक्रिया होती है। उसके लिए क्षेत्र के लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। क्षेत्र के लोग विषम परिस्थितियों में निवास करते हैं। यहां परिवारवाद के द्वारा भर्ती प्रक्रिया हो रही है। यहां के जो भी अधिकारी कार्य करने आते हैं। उनके परिवार से या उनके गांव से कितने लोग कार्य करते हैं। उनकी जाँच होनी चाहिए। एन.एम.डी.सी. द्वारा स्मार्ट कार्ड की व्यवस्था मेडिकल विभाग में नहीं है। अन्य लोगों को 3000/— पहले जमा कराया जाता है। ये कहाँ तक सही है।

5. **श्रीमती दया कश्यप, महिला जनता कांग्रेस अध्यक्ष गामावाड़ा** — एन.एम.डी.सी. द्वारा आजतक अपने गोद लिए गांवों में विकास के लिए कार्य नहीं किया गया है। जब एन.एम.डी.सी. का कार्य आता है तभी आदिवासियों के लिए मुर्गा भात की व्यवस्था की जाती है। ऐसे समय में किसी भी आदिवासी भाई की सुधी नहीं ली जाती है। बाहर के लोगों को यहां पर लाकर नौकरियां दी जा रही है। केरल, महाराष्ट्र से लोगों को भर्तियों की जा रही है। आपने हमेशा हमें आश्वासन मात्र दिया है। हम आपसे हताश हो चुके हैं। आपने वादा पूरा नहीं किया है। हम विरोध नहीं करना चाहते, हम आपके समर्थन में है पहले ये बात बताईये की आपने वार्डों में पूर्ण विकास किया है। आपने लालपानी की समस्या से रहे किसानों को मुआवजा प्रदान किया। आज तक नहीं। आपने कितनों का विकास किया। ये आप बताईए। हमारे बेरोजगार बच्चे को रोजगार नहीं मिल पर रहे है। एन.एम.डी.सी. द्वारा

.....6

उनके शिक्षा की व्यवस्था नहीं किया जा रहा है। आप हमारे मूल सुविधाओं को पहले प्रदान कीजिए तक हम आपके साथ है।

6. **श्रीमती राजेन्द्र मृणाल राय, किरंदुल**– हमारे गांव में सुदरू भाई ने कहा था कि जब तक हमारे गांव के सभी लोगों की उपस्थिति नहीं होगी, हम जन सुनवाई का विरोध करते हैं। ये जो 58 गांव है जो लालपानी की समस्या से प्रभावित है। आज भी यह समस्या व्याप्त है। जिसका निराकरण नहीं किया गया है। सर्वप्रथम हिरोली, करेंगल, मदाड़ी, पैरीखेड़ा डेव्हलपमेंट क्षेत्र के अंतर्गत जो एन.एम.डी.सी. का गोद ग्राम है। मैं एन.एम.डी.सी. से पूछना चाहती हूँ कि क्या आपने 50–55 वर्षों तक जिस स्तर पर लौह अयस्क उत्खनन किया है क्या आपने उस स्तर तक विकास किया है। आज भी गमपुर, लावा, करेंगल, समेली, नाहड़ी, के क्षेत्र से यदि कोई आदिवासी भाई कोई बीमारी पड़ता है तो उसे खटिया में बांध कर अस्पताल पहुंचाते है। आपका एंबूलेंस वहां तक नहीं पहुच पाती है। जब हम क्षेत्रीय विकास की बात करते हैं तो यहां के लोगों को यदि ब्लड की जरूरत हो तो आपके द्वारा इसकी व्यवस्था नहीं किया जा रहा है। आज किसानों के जमीन पर आप लालपानी की समस्या देकर अपना विकास कर रहे हैं। क्या 58 गांव के इन आदिवासी भाईयों को आपके कहे अनुसार विकास का लाभ मिल पा रहा है। बैलाडिला के उपर जो रामबूटी एक जल स्त्रोत है उस पर यदि समस्या आ जाती है तो उसके स्थान पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्या है। यदि आप क्षेत्रीय विकास की बात, विस्तारीकरण की बात करते है। तो आपकों मानवीय धरातल पर आपको व्यवस्था करनी पड़ेगी। एन.एम.डी.सी. एक नवरत्न कंपनी है यहां पर सिटी स्कैन, ब्लड बैंक हो आदि सुविधाएं क्या एन.एम.डी.सी. नवरत्न कंपनी होते हुए भी नहीं कर पा रही है। यहां के कृषकों की भूमि प्रदूषित हुई है, उनकी भूमि कृषि योग्य नहीं रही है। उन किसानों में बच्चों के विकास के लिए या शिक्षा के लिए आपने कोई प्रोजेक्ट बनाए है क्या आप एक कमेटी बना कर स्थानीय लोगों के साथ इन प्रभावित किसानों के बच्चों के विकास के बारे में ध्यान दें। आपके द्वारा नहीं की गई। कहा गया कि हमें एक स्कूल बस प्रदान किया जाएगा। एक बस पटेल पारा से कड़मपाल तक स्कूली बच्चों के लिए एक निःशुल्क बस सेवा प्रदान की जाए। आपने कितने बच्चों का प्लेसमेंट किया जा रहा है बताएं।

7. **श्रीमती अनिल राज, नगरपालिका अध्यक्ष, किरंदुल** – अभी किरंदुल में केवल एक ही कॉलेज है। यहां एन.एम.डी.सी. एक नवरत्न कंपनी है क्या हमारे शिक्षा के लिए व्यवस्था कर सकती है। शिक्षा, बिजली, पानी हमारे मूल सुविधांए है। जिसे एन.एम.डी.सी. क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करें। यहां मेडिकल सुविधाओं की व्यवस्था में स्मार्ट कार्ड की योजना शामिल करना चाहिए। यहां गरीब लोगों को पहले 3000/– जमा करवाया जाता है। एक गरीब आदमी इतना पैसा कहां से ला पाएगा। एन.एम.डी.सी. इतनी बड़ा नवरत्न कंपनी है। क्या इनका खर्च नहीं उठा सकता है, पानी, बिजली की व्यवस्था एन.एम.डी.सी. के तीन वार्डों में नहीं है। वहां के बिजली की चोरी किया जा रहा है। किरंदुल के विकास के लिए एन.एम.डी.सी. को कार्य करना चाहिए।
8. **श्री शैलेन्द्र सिंह, किरंदुल** – इस लोकसुनवाई में एक बड़ा मुद्दा पर्यावरण का भी है। साथियों यहां पर खनिज दोहन के लिए पेड़ों की कटाई की जा रही है। उसके बारे में क्या व्यवस्था है। आज भी आदिवासी भाई लकड़ी का चूल्हा जला कर अपना जीवन निर्वाह कर रहे हैं। उनके घरों तक चुल्हों की व्यवस्था करांए यहां की सड़कों को सुधरवाएं।
9. **राजू कार्तिक, उपसरपंच, ग्राम कड़मपाल**–हमारे गावों में, जब छोटा था तो एन.एम.डी.सी. हमारे दादा लोगों के साथ धोखा दिया। हमारे किरन्दुल के लालपानी का समस्या है क्या कंपनी प्रभावित किसानों का मुआवजा प्रदान किया। कितने पशुओं की मृत्यु हुई जब हम उसके मुआवजे के लिए जाते हैं तो मात्र 1300 रूपये प्रदान किया जाता है। आज एन.एम.डी.सी. से बहुत कुछ वादे किए पर क्या पूर्ति किए? कितने जंगल समाप्त कर दिए हमारे बाड़ी काटकर खत्म कर दिए। हमने कहा हमारे लिए लकड़ी के स्थान पर तारजाली की व्यवस्था करें। पर वो भी अभी तक पूरी नहीं किए। पहले आप हमारे पिता दादा से किए वादे को पूर्ण नहीं किए हैं। एन.एम.डी.सी. को एइ क्षेत्र में कार्य करना है तो क्षेत्र के लोगों का भी विकास करना चाहिए। हमारा जंगल गया, जमीन गया, लालपानी पीकर हमारे पशु मर गये तथा मर रहे हैं।

.....8

10. **श्री दीपक कर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दन्तेवाड़ा**– जब नवरत्न कंपनी बस्तर में आए और जो कमिटमेंट हुए हैं। हमारे पिता दादा जो भी पढ़े लिखे थे। कुछ अनपढ़ भी थे। एन.एम.डी.सी. एक बहुत बड़ी कंपनी है ये जो मिनरल्स का दोहन कर रहे है। हमारे किसान कितने प्रभावित हो रहे है। हमारे जो पूर्वज लोग निवास कर रहे है। आपने किऐ वादों को क्या पूर्ण किया? आप लोगों का जो दायित्व है क्या आपने उसे पूर्ण किया है? आपको क्षेत्रवासियों के पालक के रूप में कार्य करना पड़ेगा, आपको उनको मार्ग दिखाना पड़ेगा यदि आपने उनके जंगल, खेतों का दोहन कर रहे है। आपको यहां के ग्रामीणों क्षेत्र के लोगों को विश्वास में लेकर उनके आवश्यकताओं को पूर्ण कर विश्वास प्राप्त करें। अभी जो बाड़ी बनाए है सी.एस.आर. मद से लेकिन कलेक्टर महोदय तय करेंगे कि किसें तारबाड़ी मिले हमारे क्षेत्रवासियों को बिना भेदभाव किए तारबाड़ी प्रदान किया जाए। आप क्षेत्रवासियों के समीप जाएं उनके साथ बैठ विचार–विमर्श करें। तभी आप उनकी समस्याओं को जान पाएंगे। एन.एम.डी.सी. विदेशों में लोहा प्रदान करता है। हमें क्या मिलता है। पानी, शिक्षा, बिजली की व्यवस्था नहीं। मै बस आग्रह करना चाहुंगा। दंतेवाड़ा जिले में एन.एम.डी.सी. के आसपास जितने गांव आते है। आप सभी क्षेत्रों को मॉडल ग्राम बनाए।

11. **श्री नन्दा, मदाड़ी** – एन.एम.डी.सी. किसी गांव में कोई परिवर्तन विकास नहीं किए है। जल, जंगल का नुकसान कर रहे हैं।

12. **श्री लालाराम कुंजाम, पार्षद, किरंदुल**– मैं आपको स्पष्ट ये बताना चाहता हूँ आज में 18 नं. वार्ड का पार्षद हूँ। लेकिन लोकसुनवाई का मुझे कोई पत्र नहीं आया है। हमारे पिता दादा का खेती, जमीन सब एन.एम.डी.सी. ने बर्बाद कर दिया। हमारे जो अपनढ़ आदिवासी है। आज भी एक व्यक्ति एन.एम.डी.सी. में कार्यरत् नहीं है। एक भी शिक्षित लोगों को भी एन.एम.डी.सी. में आदिवासी होने के कारण जगह नहीं दिया जा रही है। कड़मपाल का डेम देखिए हमारा गांव इसी के पास पड़ता है लेकिन उन्हें लोक सुनवाई के बारे में जानकारी नहीं है। एन.एम.डी.सी. सिर्फ वादा करता है। आज हमारे पूरे जमीन बर्बाद हो गए, पेड़ कट गए ऐसे कंपनी का हमारे क्षेत्र में रहने से क्या मतलब। आप मदाड़ी में जाकर देखिए कितने किसान प्रभावित है नाला पूरा लाल है। 12 मिलियन टन है तो ये हाल है। यदि 20 मिलियन टन हो जाएगा तो

.....9

हमारा क्षेत्र पूरा बर्बाद हो जाएगा। आज हास्पिटल में किसी गरीब आदमी को इलाज के नाम पर 3000/– जमा करवाया जाता है। क्षेत्र के विकास के लिए आप क्या कर रहे हैं।

13. **श्री भीमा कड़ती, सरपंच मदाड़ी** – मै एन.एम.डी.सी. को कहना चाहता हूँ कि क्या अपना वादा पूर्ण किया है? शिक्षा बिजली पानी की आवश्यकता प्रदान करने का वादा करते है लेकिन पूर्ण नहीं करते है। मोचोबाड़ी के लिए 10000/– की मांग किया जाता है। गरीब आदमी पैसा कहां से लाएगा। उन्हे नौकरी करने लिए पैसे मांग की जाती है। जल, जंगल, जमीन हमारा है। हम अपने बच्चे को पढ़ाने लिखाने कि लिए खर्च करते हैं। लेकिन हमारे बच्चों को एन.एम.डी.सी. में नौकरी नहीं दिया जाता है। एन.एम.डी.सी. के कर्मचारी को पुलिया में ले जाकर मेरे द्वारा दिखाया गया। लेकिन उनके द्वारा बातों को घुमाया जा रहा है।
14. **श्री जोगाराम, मदाड़ी** – एन.एम.डी.सी. यहां के लौह अयस्क को ले जा रहे हैं। किरंदुल से 2 कि.मी दूर सड़कों की स्थिति खराब है। यहां का जितना भी विकास करना चाहिए वो दूसरे क्षेत्रों में जाकर कर रहे हैं। यहां के बच्चे भर्ती के लिए आवेदन करते है। किन्तु उनका भर्ती नहीं हो रहा है। आप हमारे क्षेत्र के 26 गांव में देखे है। कितने तालाब बोर नल है। हमारे पास पैसा नहीं है। हमारे बच्चें के लिए स्कूल बनाइये कभी आपने सोचा हमारे लिए यहां के लोग यहां आकर बस रहे हैं। हमें लेबर का काम दीजिए। आप बाहर से आए, लोगों से काम कराते हैं। हमारे आदिवासियों से कहते हैं कि इन्हे झाड़ू, पोछा, लगाने नहीं आता है।
15. **श्री कुदरू राम, मदाड़ी** – हमारे पूर्वजों के समय से हमारे खेतों में लाल पानी की समस्या है पानी के कारण पूरा खेत बर्बाद हो रहा है। गांव वाले कहां जाएगे। हम यहीं के मूल निवासी है। खेतों में फसल उत्पादन नहीं हो रहा है। गांव वाले कहां जाएगे। हम तो अनपढ़ आदमी है हमारे गांव में खेती कार्य के लिए सहयोग प्रदान करें। तार बाडी प्रदान करें। आदिवासी को आदिवासी नहीं माना जाता है हमसें प्रुफ मांगा जाता है। हमारे बच्चों के शिक्षा के लिए कार्य करें।

.....10

16. **श्री सुरेश कुमार, हीतावर** – एन.एम.डी.सी. 12 टन से 20 टन तक बढ़ाना चाहती है। हमें रोजगार की आवश्यकता है। आपको स्वीकृति चाहिए आप हमारे क्षेत्र का विकास कार्य नहीं कर पा रहे हैं तो हमारी स्वीकृति क्यों चाहते है। क्षेत्रविस्तार में बहुत से पेड़ कटेंगे। शिक्षा क्षेत्र के अलावा स्वास्थ्य भी हमारे क्षेत्र की बहुत बड़ी समस्या है।

17. **श्री सरनु मण्डावी किरंदुल** – एन.एम.डी.सी. के द्वारा गांव वालों को रोजगार प्रदान नहीं किया जा रहा है। एन.एम.डी.सी. कहता है कि गांववालों को रोजगार प्रदान किया जाएगा। यहा शिविर भी लगाया जाता है। फिर भी बेरोजगारं लोगों को रोजगार प्रदान नहीं किया जा रहा है। लाल पानी की समस्या से हमारे खेत बर्बाद हो रहे हैं। बीच में गार्ड की वेकेंसी निकाली गई थी। जी.एम. साहब द्वारा आश्वासन दिया गया था कि हमें नौकरी दिया जाएगा। किन्तु आज तक हमें नौकरी प्रदान नहीं किया गया है। ग्रामीणों का इलाज की समस्या भी है। ग्रामीणों का इलाज की समस्या भी है। हमारे क्षेत्र के पढ़े लिखे लड़कों से कहना चाहता हूँ कि जितनी भी वैकेंसी निकलती है हमारे क्षेत्र के लोगों को नौकरी नहीं दी जा रही है। धूस देकर बाहर के लोगों को नौकरी में रखा जा रहा है। ऐसा क्यों करते है। हम गरीब बच्चे हैं जो ज्यादा पैसा देता है उनको नौकरी दिया जाता है।

18. **श्रीमती मीना मण्डावी, सरपंच कोड़ेनार** – हमारे मागों को अनदेखा किया जा रहा है। पंचायत में बच्चों के लिए रोजगार की जब बात की जाती है। तो युनियन की बात की जाती है। पंचायत को भी कोटा दिया जाना चाहिए। आसपास के पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं को विकास होना चाहिए। हमें आदिवासी होने का प्रमाण मांगा जा रहा है। आज के आदिवासी शिक्षित हो चुके हैं।

19. **श्री सुधरू राम कुंजाम, किरंदुल**–लोकसुनवाई का कार्यक्रम क्षमता विस्तार के संबंध में हमने कभी एन.एम.डी.सी. के विरोध में नहीं गए। एन.एम.डी.सी. के कार्यों से क्षेत्रवासियों को जो परेशानियां हो रही है। उसी की आवाज उठाते हैं। हमें चिकित्सा, शिक्षा की व्यवस्था मिले, एन. एम.डी.सी. लौह उत्खनन से खुश हो। एन.एम.डी.सी. के पक्ष में दो बातें कहना चाहता हूँ। हम लोगों ने 1995–96 में 8वीं पास 4 लडकों (2 कड़मपाल एवं 2 किरंदुल से)नौकरी देने की मांग लेकर एन.एम.डी.सी. प्रबंधन के पास गए।एन.एम.डी.सी. द्वारा 1 महीने का समय मांगा गया

उन्होनें हमसे उनका सर्टिफिकेट मांगा गया। सर्टिफिकेट हेडक्वाटर हैदराबाद भेजा गया। प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। बाद में और लड़कों का नाम भेजने कहा गया, उनका प्रशिक्षण हुआ। और कहा गया नौकरी 3 महिनो, 6 महिने, 1 साल हो गया। हमने इस संबधं में बहुत बड़ा प्रदर्शन किया तब जाकर किरंदुल तथा बचेली में 40–40 लड़कों को नौकरी प्रदान किया औंर दूसरी बात बच्चों में लिए स्कूल ड्रेस, टेबल कुर्सी की व्यवस्था किया। 8वीं के बाद बच्चें आगे नहीं पढ़ पा रहे थे तो एन.एम.डी.सी. से मांग किया गया कि बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करें। एन.एम.डी.सी. इस कार्य को पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। लड़कियों के नर्सिंग कालेज का कार्य भी किया गया है। 2007–08 में हमारे द्वारा किरंदुल, बचेली प्रोजेक्ट में लालपानी के संबंध में 3 महीने तक सर्वे किया गया। 2013–14 में इसके कुछ मुआवजा दिया गया। मवेशी लालपानी कीचड़ में फंसकर मरते हैं तो गाय को 1300/– तथा बैल को 2700/– मुआवजा दिया जाता है। हमनें मवेशियों का बाजार दर पर मुआवजा दिया जाने का मत रखा है। जंगल को देखते हुए हमारे क्षेत्र के लोगों के खेतों में बाड़ी योजना एवं खेतों में किसानी के लिए ट्रेक्टर, प्रत्येक पंचायत के हिसाब से एवं कुछ गावों में बस सेवा प्रदान करने आवेदन किया गया है। कलेक्टर द्वारा जाली फेसिंग को मोचोबाड़ी परियोजना के नाम से प्रदान किया गया। 58 गावों के 7000 किसानों को 3 महीने में जाली फेंसिंग कर दिये जाने का फण्ड पारित किया गया था। गांव के लोगों को बिजली, पानी की आवश्यकता है किन्तु हाईवे रोड पर सोलरलाईट, सड़क किनारे पौधों को तार फेंसिंग लगाकर उपयोग कर रहे हैं। यहां गांव वाले सालों से अंधेरे में रह रहे हैं। विकास कार्य गांवों में होना चाहिए। इस एरिया में डामर रोड का 2 बार टेण्डर हो चुका है। लेकिन अभी तक कार्य नहीं हो पाया है। डी.एम.एफ. का पैसा ऐसे उपयोग हो रहा है हमारे द्वारा अस्पताल के विस्तारीकरण के लिए कई बार आवेदन किया गया। हमारे द्वारा कई बार आवेदन किया जाता है परेशान होते जाते है अपनी मांगों को पूर्ण करने तब कहीं जाकर कुछ क्षेत्र कुछ थोड़ा मांगे ही पूर्ण हो पाती है। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का कई एकड़ खेत लालपानी डस्ट से भरा हुआ है। इस जन सुनवाई के द्वारा हम क्षेत्रवासी कंपनी से मांगों के पूर्ण करने के लिए अपना मांग पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं। इनके द्वारा मांग पत्र पढ़कर सुनाया गया।

.....12

लोक सुनवाई के दौरान जन सामान्य द्वारा आपत्ति/सुझाव /विचार दर्ज कराया गया, जो कि संलग्न है। लोक सुनवाई में जन सामान्य की उपस्थिति लगभग 250 रही एवं उपस्थिति पत्रक में 47 लोगों ने हस्ताक्षर किया। उपस्थित जन समुदाय द्वारा क्षेत्र का विकास किये जाने, शिक्षा, स्थानियों को रोजगार, अस्पताल, सड़क, वृक्षारोपण आदि की शर्त के साथ परियोजना के क्षमता विस्तार हेतु पर्यावरणीय लोकसुनवाई सम्पन्न किया गया।

(डॉ. सुरेश चंद्र)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल
जगदलपुर (छ.ग.)

(दिलीप अग्रवाल)
अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला– दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)